इन्क़िलाबी नज़र
आवाज़ ... आम आदमी की
लखनऊ, शुक्रवार, 17 मई 2024
वर्ष 16 अंक 250 मूल्य 4-00 रुपया पृष्ठ- 12

चाहे वो गूगल हो या एप्पल या फ्री सॉफ्टवेयर, हमारे कुछ शानदार प्रतिस्पर्धी है जो हमें चौकन्ना रखते है।
- बिल गेट्स

तापमान - अधिकतम 42.4°C (+2.2) न्यूनतम 25.2°C(-0.1) सेंसेक्स 73,663.72 (+676.69) निफ्टी 22,403.85 (+203.30) सोना 74,170 चांदी 89,100 मुद्रा - डालर 83.48 दिरहम 22.73 रियाल 22.26

वायु प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन व स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं विषयक अतिथि व्याख्यान का आयोजन

लखनऊ (सं)। एरा यूनिवर्सिटी के लिबरल एजुकेशन विभाग के सहयोग से जैव प्रौद्योगिकी विभाग ने गुरुवार को मनाए गए विश्व पर्यावरण दिवस पर वायु प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं विषयक एक अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। इसमें अतिथि वक्ता एमिटी विश्वविद्यालय के डीन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रोफेसर कमर रहमान थे।

कार्यक्रम की शुरुआत जैव प्रौद्योगिकी विभाग के प्रमुख डॉ. तबरेज जाफर के स्वागत भाषण से हुई। इसके बाद डीन, अनुसंधान एवं विकास प्रोफेसर शेर अली ने माइक्रोप्लास्टिक्स और मानव स्वास्थ्य की बारीकियां विषय पर बताया कि आज विभिन्न उद्योगों में माइक्रोप्लास्टिक्स का बहुतायत से

एरा यूनिवर्सिटी

प्रयोग किया जा रहा है। उन्होंने आगे माइक्रोप्लास्टिक्स के मानव संपर्क के मार्गों और माइक्रोप्लास्टिक्स के विषाक्त प्रभावों के बारे में वार्ता की। एरा यूनिवर्सिटी की प्रो वाइस चांसलर प्रोफेसर (डॉ.) फरजाना मेहदी ने कार्यक्रम के आयोजन के लिए जैव प्रौद्योगिकी विभाग और लिबरल एजुकेशन विभाग के प्रयासों की सराहना की।

प्रो. कमर रहमान ने वायु प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं विषय पर अपने व्याख्यान में पर्यावरण के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की, जिनमें वर्तमान में जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता हानि और प्रदूषण जैसी तत्काल चुनौतियों का सामना करना शामिल

है। उन्होंने छात्रों को पृथ्वी और पर्यावरण को बचाने और उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनाने के लिए अपनी जीवनशैली में बदलाव लाने के लिए प्रेरित किया। इसके अलावा विश्वविद्यालय ने हरित और स्वस्थ वातावरण के लिए एक कदम आगे बढ़ाते हुए आज से परिसर में प्लास्टिक की पानी की बोतलों के उपयोग को रोकने की पहल की है और माइक्रोप्लास्टिक प्रदूषण के इस गंभीर मुद्दे के प्रति जागरुकता पैदा करने के लिए कदम उठाया।इससे पहले आज छात्रों के बीच पर्यावरण के बारे में जागरुकता बढ़ाने और उन्हें अपने दैनिक जीवन में पर्यावरण अनुकूल प्रथाओं को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य पर माइक्रोप्लास्टिक्स का प्रभाव पर 3डी पोस्टर प्रतियोगिता भी आयोजित की गई।

इस कार्यक्रम की मेजबानी बायोटेक्नोलॉजी विभाग की डॉ. सलीहा रिजवी और लिबरल एजुकेशन विभाग की डॉ. स्वाति सचदेवा ने की। इस कार्यक्रम में रजिस्ट्रार डॉ. अनु चंद्रा, सहायक रजिस्ट्रार डॉ. गजाला जैदी, परीक्षा नियंत्रक डीन, प्रमुख संकाय डॉ. तस्लीम रजा और 150 से अधिक छात्रों ने अपनी उपस्थिति दर्ज की।